Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

900223 - B1

विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका में मुख पृष्ठ पर कोड नं. अवश्य लिखें।

Class - IX
कक्षा - IX

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : **3** घंटे] [अधिकतम अंक : **80**

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।
- प्रश्न-पत्र में बाएँ हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए **15** मिनट का समय दिया गया है। इस अवधि के दौरान छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

निर्देश :

(i) इस प्रश्न-पत्र के **चार** खंड हैं — **क, ख, ग** और **घ**।

(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर **क्रमानुसार** - दीजिए।

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

खंड 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए। **5**

जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत जान ली वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरा दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीख लिया उसके लिए कोई भी काम करना असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं जो कोई काम पूरा न होने पर समय की दुहाई देते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रह कर निठल्ले समय बिताना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बातूनी होते हैं। दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्य व्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। समय बीत जाने के बाद कार्य फलप्रद नहीं होता।

(i) विद्यार्थी के लिए सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है? **1**

(क) समय को भाँपना (ख) समय की कीमत समझना

(ग) समय पर काम करना (घ) दृढ़ विश्वास बनाए रखना

(ii) कुछ लोग समय की कमी के बहाने क्या छिपाते हैं? **1**

(क) अपनी अकर्मण्यता और आलस्य (ख) अपना निठल्ला पन

(ग) अपनी विभिन्न कमियाँ (घ) अपना बातूनी पन

(iii) दुनिया के सफलतम व्यक्तियों की सफलता का रहस्य क्या है? **1**

(क) समय का पालन (ख) समय का प्रयोग

(ग) समय की कीमत (घ) समय का सदुपयोग

(iv) कार्य किस स्थिति में फलप्रद नहीं होता? **1**

(क) समय न आने पर (ख) समय कम होने पर

(ग) समय बीत जाने पर (घ) समय अधिक होने पर

(v) 'अकर्मण्यता' शब्द के उपसर्ग का सही विकल्प बताइए:- **1**

(क) अकर्मण्य + ता (ख) अ + कर्मण्यता

(ग) अक + र्मण्यता (घ) अकर्म + ण्यता

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

2. लोकमान्य तिलक का कथन है – "मैं नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करूँगा, क्योंकि इनमें वह शक्ति है कि जहाँ वे होंगी, वहाँ अपने आप स्वर्ग बन जायेगा।" श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य, समाज और राष्ट्र का मार्गदर्शन करती हैं। संसार के इतिहास पर दृष्टिपात करने पर हम देखते हैं कि अनेक महान विभूतियों पर किसी न किसी श्रेष्ठ पुस्तक का प्रभाव पड़ा है। महात्मा गांधी, टॉलस्टॉय, अब्राहम लिंकन – सभी के जीवन में श्रेष्ठ पुस्तकों का महत्त्वपूर्ण योगदान था। लेनिन में क्रान्ति की भावना कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर ही जागी थी। किसी भी जाति के उत्कर्ष या अपकर्ष का लेखा–जोखा उसके साहित्य से पता चलता है। गुप्त काल को भारतीय इतिहास का 'स्वर्ण युग' कहा जाता है, क्योंकि उस काल में बहुत उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई। विचारों के युद्ध में पुस्तकें ही अस्त्र हैं क्योंकि पुस्तकों का हमारे जीवन में बहुत गहरा प्रभाव पड़ता है। तथा पुस्तकों के विचार ही समाज की काया पलट कर देते हैं। श्रेष्ठ पुस्तकें मनुष्य को पशु से देवता बनाती है। उसकी सात्विक वृत्तियों को जाग्रत करती हैं तथा उसे असत्य से सत्य की ओर अंधकार से प्रकाश की ओर ले चलती हैं।

(i) लोकमान्य तिलक ने यह क्यों कहा 'नरक में भी पुस्तकों का स्वागत करूँगा'? **1**

(क) पुस्तकों में धन कमाने की शक्ति है।

(ख) पुस्तकें मनुष्य को मार्ग दिखाती हैं।

(ग) पुस्तकें अपनी शक्ति से जहाँ होंगी वहाँ स्वर्ग बना देंगी।

(घ) नरक में पुस्तकें पढ़ने को नहीं मिलतीं।

(ii) लेनिन के मन में क्रान्ति की भावना किस प्रकार जागी? **1**

(क) वीर पुरुषों की गाथाएँ सुनकर।

(ख) कार्ल मार्क्स के साहित्य को पढ़कर।

(ग) वीरता भरी कविताएँ सुनकर।

(घ) कार्ल मार्क्स के दर्शन करके।

(iii) गुप्त काल को भारतीय इतिहास का स्वर्ण युग क्यों कहा गया है? **1**

(क) गुप्त काल में देश ने तरक्की की।

(ख) गुप्त काल में न्याय पर ध्यान दिया गया।

(ग) इस काल में अत्यन्त उत्कृष्ट पुस्तकों की रचना हुई।

(घ) इस काल में न्याय पर बल नहीं दिया गया।

(iv) 'उत्कृष्ट' का विपरीतार्थक छाँटो। **1**

(क) महान (ख) ऊँचा

(ग) उत्तम (घ) निकृष्ट

(v) श्रेष्ठ पुस्तकों का व्यक्ति पर क्या प्रभाव पड़ता है? **1**

(क) व्यक्ति का मनोरंजन होता है। (ख) व्यक्ति को ज्ञान मिलता है।

(ग) देश विदेश का ज्ञान मिलता है। (घ) मनुष्य को पशु से देवता बनाती हैं।

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यान से पढ़ो और नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनो। **5**

विषुवत रेखा का वासी जो
जीता है नित हाँफ-हाँफ कर
रखता है अनुराग अलौकिक
वह भी अपनी मातृभूमि पर
ध्रुववासी जो हिम में तम में
जी लेता है काँप-काँप कर।
वह भी अपनी मातृभूमि पर
कर देता है प्राण-निछावर।
तुम तो हे प्रिय बंधु स्वर्ग-सी
सुखद सकल विभवों की आकर
धरा शिरोमणि मातृभूमि में
धन्य हुए हो जीवन पाकर॥

(i) भारत वासी का जीवन धन्य क्यों है? **1**

(क) भारत में स्वतंत्रता है।
(ख) भारत वासी का जीवन सुखों से भरा है।
(ग) स्वर्ग-सी, सुखद, सभी प्रकार के धन-वैभव से पूर्ण पृथ्वी पर जन्म लेकर।
(घ) भारत वर्ष में बहुत से महान पुरुषों ने जन्म लिया है।

(ii) ध्रुवीय प्रदेश में रहने वाला कैसे जीता है? **1**

(क) हाँफ-हाँफ कर (ख) काँप-काँप कर
(ग) सुख पूर्वक (घ) दुःखी व निराश होकर

(iii) विषुवत रेखा का वासी हाँफ-हाँफ कर क्यों जीता है? **1**

(क) मकर रेखा के पास होने से बहुत सर्दी होती है।
(ख) मकर रेखा के पास होने से बहुत गर्मी होती है।
(ग) विषुवत रेखा के ऊपर सूर्य का सीधा प्रकाश पड़ने के कारण बहुत गर्मी होती है।
(घ) उसे अपने देश से प्यार है।

(iv) भारत-भूमि को स्वर्ग-सी क्यों कहा गया है? **1**

(क) भारत-भूमि स्वर्ग के समान सुन्दर है।
(ख) भारत-भूमि पर स्वर्ग के समस्त देवताओं का वास है।
(ग) अपना देश स्वर्ग के समान प्यारा होता है।
(घ) भारत-भूमि स्वर्ग के समान समस्त सुख देने वाले वैभव का घर है।

(v) 'स्वर्ग-सी' में अलंकार बताइए - **1**

(क) यमक अलंकार (ख) उत्प्रेक्षा अलंकार
(ग) उपमा अलंकार (घ) रूपक अलंकार

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

4. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए – **5**

अरे चाटते जूठे पत्ते, जिस दिन मैंने देखा नर को
उस दिन सोचाः क्यों न लगा दूँ आज आग
इस दुनिया–भर को?
यह भी सोचाः क्यों न टेंटुआ घोटा जाय स्वयं
जगपति का?
जिसने अपने ही स्वरूप को दिया इस
घृणित विकृति को।
जगपति कहाँ? अरे सदियों से वह तो हुआ राख की ढेरी;
वरना समस्त – संस्थापन में लग जाती क्या इतनी देरी?
छोड़ आसरा अलख शक्ति का रे नर स्वयं जगपति तू है।
तू यदि जूठे पत्ते चाटे, तो तुझ पर लानत है थू है !
ओ भिखमंगे, अरे पराजित, ओमजलूम, अरे चिर दोहित,
तू अखण्ड भण्डार शक्ति का; जाग अरे निद्रा–सम्मोहित,
प्राणों को तड़पाने वाली हुँकार से जल–थल भर दे,
अनाचार के अंबारों में अपना ज्वलित पलता धर दे।

(i) कवि के मन में दुनिया को आग लगाने की बात क्या देख कर आई? **1**

(क) मनुष्य को जूठे पत्ते चाटता देख कर। (ख) मनुष्य को घृणित कार्य करते देख कर।
(ग) मनुष्य को गंदे पत्ते उठाते देख कर। (घ) मनुष्य को भीख माँगते देख कर।

(ii) कवि के अनुसार किसका स्वरूप घृणित विकृति का हो रहा है? **1**

(क) दुनिका या (ख) जीव जन्तुओं का
(ग) मनुष्य का (घ) इनमें से कोई नहीं

(iii) कवि ने किसमें देरी लगाने की बात कही है? **1**

(क) मनुष्य की स्थिति सुधारने में (ख) समस्त संस्थापन में
(ग) जगतपति के प्रकट होने में (घ) इनमें से कोई नहीं

(iv) कवि किस स्थिति के लिए लानत और थू कहता है? **1**

(क) मनुष्य के हताश होने पर (ख) मनुष्य के हार मानने पर
(ग) मनुष्य के आत्मनिर्भर न होने पर (घ) मनुष्य के जूठे पत्ते चाटने पर

(v) 'अलख' का अर्थ बताइए:– **1**

(क) जो देखा जा सके (ख) जो देखा न जा सके
(ग) जो अदृश्य नहीं हो (घ) जो स्पष्ट हो

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

खंड 'ख'

5. (i) 'दुर्बल' में मूलशब्द बताइए – **1**

(क) दुर्

(ख) दुर

(ग) र्बल

(घ) बल

(ii) सम् उपसर्ग वाला कौन सा शब्द है? **1**

(क) संपत्ति

(ख) सकल

(ग) समर

(घ) सफल

(iii) 'उच्चारण' शब्द में कौन सा उपसर्ग है? **1**

(क) उच्च + चारण

(ख) उद् + चारण

(ग) उत् + चारण

(घ) उ + चारण

(iv) 'अत्यन्त' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग बताइए:– **1**

(क) अति

(ख) अ

(ग) अत्य

(घ) अत

6. (i) 'पावक' में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए:– **1**

(क) अक

(ख) क

(ग) अ

(घ) वक

(ii) 'आइन' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है:– **1**

(क) पंडिताइन

(ख) ललाइन

(ग) सुनारिन

(घ) ठकुराइन

(iii) 'लिखावट' में प्रयुक्त प्रत्यय बताइए:– **1**

(क) वट

(ख) आवट

(ग) अवट

(घ) ट

(iv) 'ईना' प्रत्यय किस शब्द में है? **1**

(क) महीना

(ख) नगीना

(ग) पसीना

(घ) सीना

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

7. (i) 'चतुरानन' के लिए समास-विग्रह तथा समास के नाम के सही विकल्प का चयन कीजिए। 1

(क) चार आनन हैं जिसके अर्थात ब्रह्मा-बहुब्रीहि समास

(ख) चार आनन वाला व्यक्ति - बहुब्रीहि समास

(ग) चार मुख वाले ब्रह्मा - बहुब्रीहि समास

(घ) चार मुँह वाले ब्रह्माजी - बहुब्रीहि समास

(ii) नीलाम्बर के लिए सही विकल्प - 1

(क) नीला है जो अम्बर - तत्पुरूष समास (ख) नीला है जो आकाश - द्वन्द्व समास

(ग) नीला है जो गगन - बहुब्रीहि समास (घ) नीला है जो अम्बर - कर्मधारय समास

(iii) अव्ययीभाव का उदाहरण छाँटिए:- 1

(क) महादेव (ख) नवग्रह

(ग) ऋणमुक्त (घ) प्रतिदिन

(iv) 'मरणासन' का समासिक भेद बताइए:- 1

(क) अव्ययीभाव (ख) कर्मधारय

(ग) द्वन्द्व (घ) तत्पुरूष

8. (i) सही भाववाचक संज्ञा छाँटिए:- 1

(क) युवक (ख) युवत्व

(ग) यौवन (घ) युवा

(ii) निम्नलिखित में से व्यक्तिवाचक संज्ञा छाँटिए:- 1

(क) आदमी (ख) गाय

(ग) विद्यालय (घ) लाल किला

(iii) 'कौन' सर्वनाम के किस भेद में आता है? 1

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम (ख) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(ग) अनिश्चयवाचक सर्वनाम (घ) सम्बन्धवाचक सर्वनाम

(iv) 'दर्द के मारे----- चला नहीं जा रहा' रिक्त स्थान के लिए उचित सर्वनाम चुनो:- 1

(क) उसे (ख) वह

(ग) मेरे (घ) मुझसे

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

9. (i) 'आस्तीन का साँप' मुहावरे का अर्थ बताइए:- 1

(क) सच्चा मित्र (ख) धोखेबाज मित्र

(ग) दूर का मित्र (घ) करीबी मित्र

(ii) 'तिल का ताड़ बनाना' मुहावरे का अर्थ बताइए:- 1

(क) विशेष कार्य करना (ख) छोटी-छोटी बातों को बढ़ाकर कहना

(ग) बात बनाना (घ) बेकार की बात करना

(iii) निम्नलिखित वाक्य को उचित मुहावरे द्वारा पूरा कीजिए:- 1

आजकल पूनम ----- हो गयी है।

(क) पूर्णिमा का चाँद (ख) दूज का चाँद

(ग) मनभावन चाँद (घ) ईद का चाँद

(iv) 'घर की चीज़ का आदर नहीं होता' के लिए उचित मुहावरा बताइए:- 1

(क) दाल भात में मूसलचन्द (ख) आँख की किरकिरी

(ग) कबाब में हड्डी (घ) घर की मुर्गी दाल बराबर

खंड 'ग'

10. उसके चेहरे पर एक स्थायी विषाद स्थायी रूप से छाया रहता है। सुख-दुःख, हानि-लाभ किसी भी दशा में उसे बदलते नहीं देखा। ऋषियों-मुनियों के जितने गुण हैं, वे सभी उसमें पराकाष्ठा को पहुँच गये हैं, पर आदमी उसे बेवकूफ़ कहता है। सद्गुणों का इतना अनादर कहीं नहीं देखा। कदाचित सीधापन संसार के लिए उपयुक्त नहीं है। देखिए न भारतवासियों की अफ्रीका में क्या दुर्दशा हो रही है? क्यों अमरीका में उन्हें घुसने नहीं दिया जाता? बेचारे शराब नहीं पीते, चार पैसे कुसमय के लिए बचाकर रखते हैं, जी तोड़कर काम करते हैं, किसी से लड़ाई-झगड़ा नहीं करते, चार बातें सुनकर गम खा जाते हैं, फिर भी बदमान हैं। कहा जाता है, वे जीवन के आदर्श को नीचा करते हैं। अगर वे भी ईंट का जवाब पत्थर से देना सीख जाते, तो शायद सभ्य कहलाने लगते।

(i) किसके चेहरे पर एक स्थाई विषाद स्थाई रूप से छाया ही रहता है? 1

(क) साँड के (ख) बैल के

(ग) गधे के (घ) सिंह के

(ii) गुणों की पराकाष्ठा से क्या तात्पर्य है? 1

(क) गुणों का परम रूप (ख) गुणों की चरम सीमा

(ग) गुणों का प्रमुख रूप (घ) गुणों का प्रभावी रूप

(iii) लेखक के अनुसार भारतीय पैसा किस लिए जोड़कर रखते हैं? 1

(क) मौज-मस्ती के लिए (ख) जीवन यापन के लिए

(ग) व्यापार करने के लिए (घ) बुरे वक्त के लिए

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

(iv) 'ईंट का जवाब पत्थर से देना' का अर्थ है:- 1

(क) बढ़चढ़ कर जवाब देना (ख) समझौता कर लेना

(ग) शांत रहना (घ) पत्थर की तरह कड़क रहना

(v) लेखक के अनुसार संसार में क्या चीज़ उपयुक्त नहीं है? 1

(क) सद्गुण (ख) पागलपन

(ग) सीधापन (घ) लड़ाई-झगड़ा

अथवा

डाँड़े तिब्बत में सबसे ख़तरे की जगह हैं। सोलह सत्रह हजार फुट की ऊँचाई होने के कारण उनके दोनों तरफ कोई गाँव-गिराँव नहीं होते। नदियों के मोड़ और पहाड़ों के कोनों के कारण बहुत दूर तक आदमी को देखा नहीं जा सकता। डाकुओं के लिये यही सबसे अच्छी जगह है। तिब्बत में गाँव में आकर खून हो जाये, तब भी खूनी को सज़ा भी नहीं मिल सकती लेकिन इन निर्जन स्थानों में मरे हुये आदमियों के लिए कोई परवाह नहीं करता। सरकार खुफिया विभाग और पुलिस पर उतना खर्च नहीं करती और वहाँ गवाह भी तो कोई नहीं मिल सकता। डकैत पहले आदमी को मार डालते हैं उसके बाद देखते हैं कि कुछ पैसा है कि नहीं। हथियार का कानून न रहने के कारण यहाँ लाठी की तरह लोग पिस्तौल, बन्दूक लिये फिरते हैं।

(i) डाँड़े की क्या विशेषता है? 1

(क) बहुत सुन्दर जगह है। (ख) वह सबसे ख़तरे की जगह है।

(ग) वह सुनसान जगह है। (घ) वह नदी के किनारे की जगह है।

(ii) डाँड़े में बहुत दूर तक आदमी को क्यों नहीं देखा जा सकता? 1

(क) गाँव न होने के कारण (ख) जनसंख्या कम होने के कारण

(ग) नदियों के मोड़ व पहाड़ों के कोनों के कारण (घ) डाकुओं के डर के कारण

(iii) डाकुओं के लिए सबसे अच्छी जगह कौन सी है? 1

(क) डाँड़े (ख) तिब्बत

(ग) गाँव (घ) पहाड़ी इलाका

(iv) डाँड़े के निर्जन क्षेत्र में खूनी को सज़ा क्यों नहीं मिल पाती? 1

(क) जनसंख्या कम होने के कारण (ख) लोगों द्वारा सच न बोलने के कारण

(ग) गवाह न मिलने के कारण (घ) डाकुओं के भय के कारण

(v) हथियार का कानून न रहने के कारण लोग कैसे रहते हैं? 1

(क) लोग निश्चिन्त रहते हैं। (ख) बाहर नहीं निकलते।

(ग) झुन्ड में चलते हैं। (घ) लाठी की तरह लोग बंदूक, पिस्तौल लिए घूमते हैं।

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

11. निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए – **2x5=10**

1. काँजी हौस में किन्हें कैद किया जाता है ? और उनके साथ कैसा व्यवहार किया जाता है?
2. डाँड़े के देवता का स्थान कहाँ था? उसे कैसे सजाया गया था?
3. थोड़ला के पहले के आखिरी गाँव में लेखक को भिखमंगें के वेश में क्यों रहना पड़ा?
4. आज लोग 'सुख' को किस रूप में देखते हैं?
5. आपके अनुसार वस्तुओं के खरीदने का आधार वस्तु की गुणवत्ता होनी चाहिए या उसका विज्ञापन, तर्क देकर स्पष्ट करें।

12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षेप में लिखिए– **5**

काबा फिरि कासी भया, रामही भया रहीम।
मोट चून मैदा भया, बैठि कबीरा जीम।
ऊँचे कुल का जनमिया, जे करनी ऊँच न होइ।
सुबरन कलस सुरा भरा, साधू निंदा सोइ।

1. दोहे में किन दो धार्मिक स्थलों का वर्णन है?
2. मोटा आटा मैदा कैसे बन गया?
3 ऊँचे कुल और अच्छे कर्मों में से आप किसे महत्त्वपूर्ण मानते हैं ? और क्यों?
4. कवि ने किस प्रकार के लोगों पर व्यंग्य किया है?
5. काव्यांश में कौन सा छंद है?

अथवा

मोरपखा सिर ऊपर राखिहौं, गुँज की माल गरें पहिरौंगी।
ओढ़ि पितम्बर लै लकुटी बन गोधन ग्वारिन संग फिरौंगी॥
भावतो वोदि मेरो रसखानि सों तेरे कहे सब स्वाँग करौंगी।
या मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी॥

1. गोपी श्रीकृष्ण का रूप धारण करने को क्यों तैयार है?
2. कृष्ण के उस रूप सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसे गोपी धारण करना चाहती है?
3. गोपी कृष्ण की मुरली को होठों पर क्यों नहीं रखना चाहती?
4. 'स्वाँग करने' का क्या आशय है?
5. 'ये मुरली मुरलीधर की अधरान धरी अधरा न धरौंगी' में कौन सा अलंकार है?

Please Visit www.ncerhelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12

Visit www.ncerthelp.com For All NCERT Solutions,
CSBE Sample papers, Question, papers, Notes For Class 6 to 12

13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए – **5**

(क) रसखान कवि अगले जनम में मनुष्य, पशु, पक्षी या पत्थर के रूप में कहाँ जन्म लेना चाहते हैं – क्यों? **2**

(ख) 'मेरा दस फुट का संसार' किसे और क्यों कहा है? **1**

(ग) 'जेब टटोली कौड़ी न पाई' से कवयित्री का क्या आशय है? **2**

14. लेखक बाढ़ के बाद 'मुसहरों' की बस्ती में राहत बाँटने गये तो उन्होंने क्या दृश्य देखा? **5**

अथवा

लेखिका ने अपनी माँ को भारतीय माँ जैसा नहीं पाया के आधार पर उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

खंड 'घ'

15. आपको विज्ञान का प्रोजैक्ट बनाना है उसके लिए आपके विद्यालय के पुस्तकालय में कोई विज्ञान–पत्रिका नहीं है। अतः प्रधानाचार्य से विज्ञान–पत्रिका मंगाने का अनुरोध करते हुए प्रार्थना पत्र लिखिए। **5**

अथवा

बाल दिवस पर आपके विद्यालय में रंगारंग कार्यक्रम हुआ तथा मेला लगा इसका वर्णन करते हुए अपने पिताजी को पत्र लिखिए।

16. विपत्ति कसौटी जे कसे तेई साँचे मीत **5**

(क) मित्रता का महत्त्व

(ख) मित्र का चुनाव

(ग) सच्चे मित्र की विशेषताएँ

(घ) मित्रता का निर्वाह

अथवा

बढ़ते उद्योगः सिकुड़ते वन

1. वर्तमान युग और औद्योगिकरण।
2. उद्योगों की आवश्यकता।
3. ज़मीन का कम पड़ता वन क्षेत्र। 20% से भी कम जबकि 33% चाहिए।
4. प्रकृति का संतुलन गड़बड़ाना
5. प्रकृति प्रेमी के लिए प्रोत्साहन।

- o 0 o -

Please Visit www.ncerthelp.com For All Videos Lectures of all Subjects 6 to 12